# PHILOSOPHY

Hons., Paper VIII (Part III)

Dr. S. K. Singh
Mob - 9431454995

## अन्यथाख्यातिवाद (न्याय दर्शन)

→ नैयायिक जयन्त भट्ट के अनुसार किसी यथार्थ वस्तु का सम्यक् अवधारण के कारण अन्य ~~रूपों में~~ रूप में ज्ञात होना ही भ्रम है। न्याय दर्शन का भ्रम सम्बन्धी सिद्धान्त अन्यथाख्यातिवाद कहलाता है। यहाँ 'अन्यथा' के दो अर्थ है - 'अन्यत्र' तथा 'अन्य रूप में'। ~~भ्रान्ति में प्रस्तुत वस्तु अन्यत्र स्थित अन्य वस्तु के रूप में दिखाई देती है।~~

→ भ्रान्ति में प्रस्तुत वस्तु अन्यत्र स्थित अन्य वस्तु के रूप में दिखाई देती है। नैयायिकों के अनुसार जब रज्जू में सर्प का ज्ञान प्राप्त होता है तो फिर रज्जू और सर्प दोनों पृथक्-पृथक् सत् है। यहाँ रज्जू वर्त्तमानकालीन दृष्ट वस्तु है जबकि सर्प अतीतकालीन स्मृत वस्तु है। यहाँ सर्प ~~है~~ की रज्जू से सादृश्यता और इन्द्रिय आदि दोष के कारण स्मृत वस्तु का संस्कार इतना प्रबल हो जाता है कि वह प्रत्यक्ष वस्तु पर आरोपित हो जाती है।

→ भ्रम में स्मृत वस्तु का वास्तविक रूप से आरोपण नहीं होता, बल्कि केवल उसके धर्मों का आरोपण होता है। इस प्रकार भ्रम विषयगत न होकर आत्मगत या पुरुषतंत्र होता है, ऐसे

Scanned with CamScanner

भ्रम की स्थिति सविकल्पक प्रत्यक्ष के स्तर पर उसके सामने आती है।

→ चूँकि न्याय मतानुसार ज्ञान में प्रामाण्य से अप्रामाण्य दोनों बाह्य कारणों से उत्पन्न होते हैं, इसलिये यहाँ यह माना गया है कि यदि बाह्य कारण दोषपूर्ण हैं, तो फिर अप्रामाण्य ज्ञान की उत्पत्ति होगी। न्याय मतानुसार रस्सी में सर्प का ज्ञान कारण-दोष; जैसे- इन्द्रियदोष, पर्याप्त प्रकाश का अभाव आदि के कारण उत्पन्न होता है। ऐसे ज्ञान में संकल्प-प्रवृत्ति-सामर्थ्य नहीं होता।

→ न्याय दर्शन अपने भ्रम सिद्धान्त में अपनी वस्तुवादी मान्यता की रक्षा करने के लिये भ्रम की विषय विवेचना हेतु ज्ञान-लक्षण-प्रत्यक्ष नामक अलौकिक प्रत्यक्ष की कल्पना कर लेता है।

→ जहाँ कुमारिल नए प्रमाण को प्राप्ति से ही प्रामाणिक मानते हैं वहीं नैयायिकों की प्रामाणिकता अतिरिक्त तथ्यों पर निर्भर करती है।

→ कुमारिल विपरीत ख्यातिवाद को मानकर अपने वस्तुवादी आधार से भटक जाते हैं। जबकि न्याय दर्शन में इसकी रक्षा का प्रयास है।

→ कुमारिल भ्रम में स्मृति के अंश को स्वीकार करते हैं जबकि नैयायिक इसके वास्तविक प्रत्यक्ष की बात करते हैं।

Scanned with CamScanner